References Re: Homage to Freedom Fighters & Martyrs on 81st Anniversary of 'Quit India Movement' and 78th Anniversary of Dropping of Atomic Bombs on Hiroshima & Nagasaki

(माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुए)

भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ पर स्वतंत्रता सेनानियों के शहीदों को श्रद्धांजलि के विषय में उल्लेख
और
हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए जाने की 78वीं वर्षगांठ के विषय में उल्लेख

1100 बजे

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज सम्पूर्ण राष्ट्र भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ मना रहा है। वर्ष 1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर देशवासियों ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाने के लिए इस आंदोलन की शुरुआत की थी और अपने अटल संकल्प को 'करो या मरो' के नारे के माध्यम से अभिव्यक्त किया था।

भारत छोड़ो आंदोलन भारत वासियों में एकता की शक्ति और अन्याय एवं अत्याचार के विरूद्ध शांतिपूर्ण प्रतिरोध का प्रतीक है।

इस अवसर पर, हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए निरंतर संघर्षरत रहते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। हम उन उच्च आदर्शों के प्रति स्वयं को पुन: समर्पित करते हैं, जिनके प्रति हमारे स्वतंत्रता सेनानी सदैव निष्ठावान रहे।

माननीय सदस्यगण, आज से 78 वर्ष पूर्व 6 और 9 अगस्त, 1945 को जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर परमाणु बम गिराए गए थे, जिससे लाखों निर्दोष नागरिकों के जीवन की क्षति हुई थी और बहुत बड़ी संख्या में लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए थे। आज भी हिरोशिमा और नागासाकी के लोग परमाणु रेडिएशन के दुष्प्रभावों से पीड़ित हैं।

आइए, आज के दिन हम सामूहिक विनाश के हथियारों के उन्मूलन के लिए प्रयास करने और शांति तथा बंधुत्व के प्रसार के लिए मिलकर कार्य करने हेतु पुन: संकल्पित हों।

अब सभा भारत के स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति और जापान के परमाणु बम के पीड़ितों के सम्मान में थोड़ी देर के लिए मौन रहेगी।

तत्पश्चात् सभा थोड़ी देर के लिए मौन खड़ी रही।

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न 281, श्रीमती लॉकेट चटर्जी।

... (व्यवधान)